

**THREE WORDS FOR  
REMEMBERING**

Matthew 26:22-29

---

---

---


---

---

---

---

**20** When it was evening, he reclined at table with the twelve.



---

---

---


---

---

---

---

**26** Now as they were eating, Jesus took bread, and after blessing it broke it and gave it to the disciples, and said, "Take, eat; this is my body."



---

---

---

---

---

---

---

**27** And he took a cup, and when he had given thanks he gave it to them, saying, "Drink of it, all of you,



---

---

---

---

---

---

---

**28** for this is my blood of the covenant, which is poured out for many for the forgiveness of sins.



---

---

---

---

---

---

---

**29** I tell you I will not drink again of this fruit of the vine until that day when I drink it new with you in my Father's kingdom."



---

---

---

---

---

---

---

**Three Words a Grateful Heart Needs to Understand**



---

---

---

---

---

---

---

Luke 22

<sup>19</sup> And he took bread, and when he had given thanks, he broke it and gave it to them, saying, "This is my body, which is given for you."

**BROKEN**

The Power of Sin is Broken



---

---

---

---

---

---

---

Matthew 26

<sup>19</sup> And he took bread, and when he had given thanks, he broke it and gave it to them, saying, "This is my body, which is given for you."

**EMPTIED**

The Burden of Sin is Emptied



---

---

---

---

---

---

---

Luke 22

<sup>19</sup> And he took bread,  
and when he had given  
thanks, he broke it and gave it  
to them, saying, "This is my  
body, which is given for you.

**PROMISED**

The Rescue from Sin is Promised



---

---

---

---

---

---

---

---

**Are These Three  
Words Your Words?**

**Let's Remember  
the Lord.**



---

---

---

---

---

---

---

---